विचार बिन्दु

प्रत्येक कार्य अपने समय से होता है उसमें उतावली ठीक नहीं, जैसे पेड़ में कितना ही पानी डाला जाय पर फल वह अपने समय से ही देता है। –वृंद

हिंसा तो स्वीकार्य नहीं है!

हाल में दिल्ली की मुख्य मंत्री के साथ हुई एक वारदात ने हमें फिर से सोचने को विवश किया है कि जिनसे हमारी किसी भी तरह की असहमति हो उनके प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए। राजनीतिज्ञ और राजनेता क्योंकि दूसरों की तुलना में अधिक दृश्यमान होते हैं, उनके व्यवहार और विचार अधिक लोगों को प्रभावित और उद्वेलित करते हैं, और इसी कारण उनके साथ अगर कोई अनुचित घटना होती है तो उसकी चर्चा भी अधिक होती है। राजनेताओं के बाद खिलाड़ी, फ़िल्म अभिनेता आदि भी अन्यों की तुलना में अधिक ध्यान आकर्षित करते हैं। इनकी तुलना में लेखक कलाकार प्रायः अलक्षित रह जाते हैं। कलाकारों में भी फ़िल्म वाले ज़्यादा ध्यान आकर्षित करते हैं जबकि बहुत सारे अन्य विधाओं वाले कलाकार उतना ध्यान नहीं खींचते हैं।

दिल्ली की मुख्य मंत्री जब अपने कैंप कार्यालय में साप्ताहिक जन सुनवाई कर रही थीं तो एक 41 वर्षीय व्यक्ति ने उन्हें कुछ कागज़ सौंपने के बाद अचानक चिल्लाना शुरु किया, उनके साथ धक्का-मुक्की की और कुछ अन्य अनुचित व अप्रिय कृत्य किए। पुलिस सूत्रों के अनुसार ऐसा करने वाला वह व्यक्ति दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को आश्रय में ले जाने वाले एक आदेश से क्षुब्ध था क्योंकि वह स्वयं को एक पशु प्रेमी बताता है। जैसा कि अपेक्षित था, इस व्यक्ति को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और उसके खिलाफ़ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास), धारा 132 (सार्वजनिक सेवक पर हमला), और धारा 221 (सार्वजनिक सेवक को कर्तव्य में बाधा) के तहत मामला दर्ज किया गया। उसे पाँच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया, और दिल्ली पुलिस, इंटेलिजेंस ब्यूरो, और स्पेशल सेल संयुक्त रूप से जाँच कर रहे हैं। मुख्य मंत्री जी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब उन्हें ज़ेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। उम्मीद कर सकते हैं कि पुलिस अपना काम करेगी और न्याय होगा।

इसी बीच जो बहुत सारी चर्चाएं हुईं उनमें दिल्ली के संदर्भ में यह भी स्मरण किया गया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता अरविंद केजरीवाल पर भी कई बार हमले हुए हैं। उदाहरण के लिए, 2014 में गुजरात में उनकी हिरासत के बाद आम आदमी पार्टी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इसके अलावा, उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन पर स्याही, जूते फेंकने और थप्पड़ मारने जैसे हमले हुए हैं। यहीं यह बात भी कम ग़ौर तलब नहीं है कि अभी दिल्ली की मुख्य मंत्री के साथ जो अप्रिय घटित हुआ उसे तो उनकी पार्टी अर्थात भाजपा ने तुरंत 'लोकतंत्र पर हमला' और संभावित 'राजनीतिक साजिश' बता दिया दिया किंतु जब अरविंद केजरीवाल के साथ ऐसा ही बर्ताव एकाधिक बार हुआ था तो इस दल की प्रतिक्रिया एकदम उलट थी। वैसे ऐसा आम तौर पर होता है कि जो हमें प्रिय होता है उसके बारे में हमारा नज़रिया उस नज़रिये से भिन्न होता है जो हम अपने किसी अप्रिय व्यक्ति के बारे में रखते हैं। प्रिय के साथ ज़रा- सी भी अशिष्टता (हिंसा तो बहुत बड़ी बात है) हमें अखरती है और हम उसकी आलोचना करते हैं जबकि जो हमें प्रिय नहीं होता है या जिससे हमारी असहमति होती है उसके प्रति की गई हिंसा तक हमें उचित लगती है। इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण तो महात्मा गांधी हैं। 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने उनके साथ जो किया उसे उनके प्रशंसक उनकी हत्या कहकर निंदा करते हैं जबकि जो महात्मा गांधी के सोच से असहमत थे और हैं वे उसी कृत्य को वध जैसा सम्मान सूचक नाम देकर इस कृत्य को न केवल उचित बल्कि प्रशंसनीय भी घोषित करते हैं।

और ऐसा केवल शारीरिक हिंसा के मामले में ही नहीं होता है। इधर वाणी की हिंसा, अर्थात अपशब्दों और अनुचित अभिव्यक्तियों का प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। इन अभिव्यक्तियों को एक ख़ास संदर्भ में कभी असंसदीय कहा जाता है तो आम भाषा में गाली या अपशब्द कहा जाता है। नेताओं, अभिनेताओं को इनका शिकार होते हम आए दिन देखते हैं। संसद से लेकर सड़क तक ख़राब भाषा का चलन बढ़ता ही जा रहा है। आज़ादी के बाद वाले वर्षों में जहां हमारी विधायिका में अर्थात संसद और विधान सभाओं में तर्क और तथ्य पूर्ण बहसें होती थीं, आज उनकी जगह शोर-शराबे और उनके बीच प्रयुक्त की जाने वाली कर्कश और अशोभनीय अभिव्यक्तियों ने ले ली है। ऐसा लगता है जैसे अब हमारे पास तर्क के साथ किसी का विरोध करने की क्षमता रही ही नहीं है, और इस क्षमता न रहने की क्षति पूर्ति हम गाली देकर करना चाहते हैं।

> **इधर जब से सोशल मीडिया का चलन बढ़ा है भाषिक हिंसा करने वालों की तो जैसे मौज ही हो गई है। उन्हें यह नया और कारगर हथियार मिल गया है। वे किसी की भी इज़्ज़त धूल में मिला सकने की जैसे निर्बाध आज़ादी और क्षमता पा गए हैं। इधर एक और नई बात हुई है। समर्थ और समृद्ध राजनीतिक दलों ने अपने मीडिया एकांशों (सेलों) और आईटी एकांशों के माध्यम से संस्थाबद्ध रूप से वैतनिक आधार पर यह काम करवाने की नई व्यवस्था चलन में ला दी है।**

ऐसा भी नहीं है कि भौतिक और वाचिक हिंसा केवल भारत में ही होती है। दुनिया भर में ऐसा होता रहा है। अमरीका में जॉनएफ कैनेडी की हत्या से लगाकर जापान में शिंजोआबे की हत्या तक और डोनाल्ड ट्रंप पर हमले के प्रयास से लगाकर जर्मनी में एएफडी नेताओं, न्यूज़ीलैण्ड की पूर्व प्रधान मंत्री जसिंडा आर्डर्न के साथ हिंसा के प्रयासों का एक लम्बा सिलसिला है। विदेशों में अगर ट्रंप के साथ हुई वाचिक हिंसा एक ताज़ा परिघटना है तो भारत में महात्मा गांधी से लगाकर अब नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी तक और बीच में अरविंद केजरीवाल, अखिलेश और न जाने कौन-कौन इसके शिकार हुए हैं। महिलाओं के प्रति यह वाचिक हिंसा एक अलग ही रूप ले लेती है। उनका चरित्र हनन करना शायद ऐसा करने वालों को अधिक रास आता है। कभी इंदिरा गांधी तो अब सोनिया गांधी, स्मृति ईरानी, प्रियंका गांधी, महुआ मोइत्रा और न जाने कौन-कौन इसका शिकार हुई हैं।

इधर जब से सोशल मीडिया का चलन बढ़ा है भाषिक हिंसा करने वालों की तो जैसे मौज ही हो गई है। उन्हें यह नया और कारगर हथियार मिल गया है। वे किसी की भी इज़्ज़त धूल में मिला सकने की जैसे निर्बाध आज़ादी और क्षमता पा गए हैं। इधर एक और नई बात हुई है। समर्थ और समृद्ध राजनीतिक दलों ने अपने मीडिया एकांशों (सेलों) और आईटी एकांशों के माध्यम से संस्थाबद्ध रूप से वैतनिक आधार पर यह काम करवाने की नई व्यवस्था चलन में ला दी है। आए दिन हम देखते हैं कि केंद्र से एक संदेश ज़ारी होता है और सम्बद्ध पार्टी के वैतनिक कार्मिक पूरी निष्ठा से, बग़ैर कोमा फुल स्टॉप बदले धड़ाधड़ उन संदेशों को पोस्ट करके वायरल कर देते हैं। करें भी क्यों न? उन्हें इसी काम के तो पैसे मिलते हैं।

लेकिन बात चाहे हिंसा की हो या वाणी की या शाब्दिक हिंसा की, मैं दो टूक शब्दों में कहना चाहूंगा कि है यह निंदनीय। एक सभ्य समाज में किसी भी तरह की हिंसा की कोई जगह हो ही नहीं सकती। हिंसा, चाहे शरीर की हो या जीभ की, या कलम की – हर हिंसा निंदनीय है। अपनी असहमति, अपनी नाराज़गी, अपना ग़ुस्सा अन्य शालीन और स्वीकार्य तरीकों से भी इनको व्यक्त किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। हम यह कभी नहीं कहेंगे कि जो काम या जो बात आपको पसंद न हो उसे भी आप सर झुकाकर स्वीकार करें। ग़लत का विरोध ज़रूर करें। उसके खिलाफ़ आवाज़ उठाएं। ग़लत करने वालो को जताएं कि आप उनके काम से सहमत नहीं हैं। लेकिन ऐसा करते हुए मर्यादा का उल्लंघन न करें। इस बात को न भूलें कि आप मनुष्य हैं।

यहीं एक बात और। यह एक आदर्श स्थिति है कि आप किसी से असहमत या नाराज़ हों और इसे उसके सामने व्यक्त कर दें, और वह शालीनता से आपकी असहमति या नाराज़गी को स्वीकार कर ले। यह तो और भी ज़्यादा अच्छी बात है कि वह अपने को, अगर उसे अपनी बात सही लगे, सुधार ले। लेकिन ऐसी आदर्श स्थितियां हैं कहां? हम आए दिन देखते हैं कि सरकारें विरोध की हर आवाज़ को दबाने कुचलने के लिए जैसे तैयार बैठी रहती हैं। अगर आप कोई प्रदर्शन करना चाहें वे नहीं करने देतीं, अगर आप बांह पर काली पट्टी बांध कर अपनी नाराज़गी व्यक्त करना चाहें, वे नहीं करने देतीं। अगर आप कुछ लिखें तो वे किसी न किसी बहाने से आपको प्रताड़ित करने का औचित्य तलाश कर लेती हैं। सरकारें ख़ुद हिंसा करती हैं। जब वे किसी की बात सुनती ही नहीं, तो कोई क्या करे? हम उस गांधी को पीछे छोड़ आए हैं जिसने सलाह दी थी कि अगर कोई तुम्हारे एक गाल पर चांटा मारे तो दूसरा गाल सामने कर दो। आज अगर आप ऐसा करेंगे तो वह बजाय शर्मिंदा होने के, दूसरे गाल पर भी चांटा मार देगा। शायद और अधिक ज़ोर से मारेगा। ऐसे में यह एक बहुत बड़ा सवाल है कि आखिर हम अपनी नाराज़गी, अपनी असहमति कैसे व्यक्त करें? जो स्वीकार्य नहीं है उसे कैसे सहन करें?

इन सवालों का जवाब जो चाहे हो, हिंसा तो नहीं ही हो सकता है। नहीं होना चाहिए!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा वेदों से लेकर संविधान तक फैली हुई है : देवनानी

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासूदेव देवनानी ने दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन में शिरकत की

अजमेर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत का लोकतंत्र मजबूत है। भारत के लोकतंत्र को किसी भी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। भारत के संविधान की जड़ें भी बहुत गहरी हैं। इसे कोई समाप्त नहीं कर सकता है।भारत के लोगों को एकजुट और एकमुखी होकर काम करना होगा, ताकि विश्व को एकता का संदेश जाए। देवनानी ने कहा कि कुछ ताकतें जो भ्रम फैला रही हैं उनसे सभी को सतर्क रहना होगा। देवनानी ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा वेदों से लेकर संविधान तक फैली हुई है। यह यात्रा दर्शाती है कि भारत केवल आज का लोकतंत्र नहीं है, बल्कि यह उसकी आत्मा में सदियों से बसी एक परंपरा है। देवनानी ने कहा कि भारत वास्तव में लोकतंत्र की जननी है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी रविवार को दिल्ली विधानसभा द्वारा आयोजित स्पीकर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

दिल्ली में आयोजित स्पीकर सम्मेलन में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शामिल हुये।

देवनानी ने कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है जिसकी लोकतांत्रिक परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। यह परंपरा वेदों उपनिषदों और इतिहास में अंकित है। देवनानी ने कहा कि जब विश्व के अन्य भागों में मानव समाज शिकार पर आश्रित था और लोग वृक्षों की छालों से अपने शरीर ढकते थे, उस प्राचीनकाल में भारत का वैदिक साहित्य राजनीतिक क्षेत्र और शासन व्यवस्था की अत्यंत परिपक्व अवधारणा से समृद्ध हो चुका था। देवनानी ने कहा कि भारत में नियमित स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका जीवन्त संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इस लोकतंत्र की स्थायितवशीलता और गहराई को प्रमाणित करते हैं।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी दो दिवसीय अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता सहित देशभर की राज्य विधानसभा एवं विधान परिषदों के लगभग 60 अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा द्वारा केंद्रीय विधानसभा के प्रथम निर्वाचित भारतीय स्पीकर वीर विट्ठल भाई पटेल का शताब्दी समारोह भी आयोजित किया जा रहा है।

- **सम्मेलन में देशभर की राज्य विधानसभा एवं विधान परिषदों के लगभग 60 अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष भाग ले रहे हैं**

देवनानी की दिल्ली की मुख्यमंत्री से मुलाकात : राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को सायं दिल्ली पहुंचे और देवनानी की दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात हुई।

वाइस प्रिंसिपल को पदावनत कर लेक्चरार लगाने के आदेशों पर हाईकोर्ट की रोक

परिनिंदा दण्डादेश देने के आदेशों पर भी हाईकोर्ट ने रोक लगाई

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा विभाग के वाईस प्रिंसिपल को पदावनत कर वापस लेक्चरर लगाने एवं परिनिंदा दण्डादेश देने के आदेशों पर राजस्थान हाईकोर्ट ने रोक लगाकर शिक्षा सचिव एवं निदेशक माध्यमिक शिक्षा राज. बीकानेर से जवाब मांगा है। राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर की न्यायाधीश जस्टिस रेखा बोहरा ने यह निर्देश प्रार्थी बुधराम की याचिका पर दिया है।

अधिवक्ता विकास गोदारा (बेनीसर) ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग ने प्रार्थी को 28 फरवरी 2023 को लेक्चरर पद से वाईस प्रिंसिपल पद पर पदोन्नति देकर यथावत कार्यग्रहण करवाया तथा अप्रैल 2025 में काउंसलिंग के पश्चात् प्रार्थी को दूसरे स्कूल में कार्यग्रहण करवाया गया।

- **कोर्ट ने राज्य सरकार व माध्यमिक शिक्षा निदेशक से मांगा जवाब**

पदोन्नति तिथि से प्रार्थी लगातार वाईस प्रिंसिपल पद के दायित्वों का निर्वहन कर रहा है, लेकिन 28 मई 2025 को विभाग ने प्रार्थी की पदोन्नति यह कहकर निरस्त कर दी कि उसे पूर्व में परिनिंदा का दण्डादेश मिला हुआ है, इसलिए उसे पदोन्नत नहीं कर सकते। साथ ही विभाग ने उसे पुनः लेक्चरर पद पर नियुक्ति देने के लिए 5 जुलाई 2025 को एपीओ आदेश भी जारी कर दिया। शिक्षा विभाग की इस कार्यवाही को प्रार्थी ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि पदावनत एवं एपीओ की कार्यवाही करने से पूर्व उसे सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। किसी कर्मचारी को परिनिंदा दण्डादेश के आधार पर उसे पदोन्नति से वंचित नहीं किया जा सकता। अतः उसके पदावनत एवं एपीओ आदेश को निरस्त कर पदोन्नति के समस्त परिलाभ दिलवाये जाए।

पुलिसकर्मियों ने फिट रहने के लिए आम जनता के साथ साइकिल चलाई

पुलिसकर्मियों ने साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट अवेयरनेस का मैसेज भी दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर सहित जिलेभर में पुलिसकर्मियों ने रविवार को आम जनता के साथ फिट रहने के लिए साइकिल चलाई। मौका था ''फिटनेस की डोज-आधा घंटा रोज'' पंच लाइन के साथ, संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का।

भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में सिटी कंट्रोल रूम के बाहर से फिटनेस की डोज-आधा घंटा रोज पंच लाइन के साथ साइकलिंग की शुरुआत की गई। इसमें बड़ी संख्या में पुलिस के अधिकारी और पुलिस लाइन के जवान और एनजीओ मेंबर और आमजन ने अपनी सहभागियों निभाई। कंट्रोल रूम से एसपी और शहर विधायक अशोक कोठारी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह साइकिल रैली सदर बाजार, गोल प्याऊ चौराहा, सूचना केंद्र, भीमगंज थाना, फतेह टावर, कोतवाली, नगर निगम, राजेंद्र स्कूल सहित मुख्य मुख्य बाजारों में होते हुए पुनः सिटी कंट्रोल रूम पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट अवेयरनेस का मैसेज भी दिया। एसपी सिंह ने कहा की कि भारत सरकार के खेल मंत्रालय की पहल पर साइकलिंग, योग, जुंबा, रोप स्किपिंग कर आमजन को फिजिकल फिटनेस के लिए एक संदेश दिया जा रहा है। इसके तहत फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज का कैप्शन दिया गया है। हर व्यक्ति को अपने शरीर की फिटनेस के लिए डेली कम से कम आधा घंटे कोई भी फिजिकल एक्टिविटी जरूर करनी चाहिए। इस दौरान विधायक अशोक कोठारी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, एएसपी पारस जैन, सीओ सदर श्याम सुंदर, सीओ सिटी मनीष बड़गुर्जर सभी थानों के थाना प्रभारी, एनजीओ मेंबर्स, स्काउट गाइड मौजूद रहे। शहर सहित जिलेभर के थानों में रैली का आयोजन किया गया।

भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में साइकलिंग की शुरुआत की गई।

- **''फिटनेस की डोज-आधा घंटा रोज'' पंच लाइन के साथ, संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन हुआ**

ओसियां क्षेत्र में लैपर्ड के मूवमेंट से दहशत फैली

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के ओसियां में लैपर्ड का मूवमेंट नजर आया है। यहां लैपर्ड ने गाय और नीलगाय को अपना शिकार बनाया है। घटना ओसियां के खारडा मेवासा गांव की है। मौके पर लैपर्ड के पंजे के निशान मिले हैं। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। लैपर्ड को पकड़ने के लिए पिंजरे भी लगाए गए हैं। इधर लैपर्ड के मूवमेंट के बाद आसपास की ढाणियों में रहने वाले लोग भी दहशत में हैं।

- **लैपर्ड ने गाय और नीलगाय को अपना शिकार बनाया है। घटना ओसियां के खारडा मेवासा गांव की है, वन विभाग ने पिंजरा लगाया**

ओसियां रेंज के अधिकारी मुरली मनोहर ने बताया कि टीमों का गठन कर लैपर्ड को पकड़ने का प्रयास किया जा रहे हैं। जंगल के बीच में कैमरे और पिंजरे भी लगाए गए हैं। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्र के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को सावधानी बरतनी के लिए भी कहा गया है। फिलहाल लैपर्ड के मूवमेंट के चलते ग्रामीण भी काफी दहशत में है।

वनपाल रंजीत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि लैपर्ड की तलाश की जा रही है। खारडा मेवासा के रक्षित वन क्षेत्र में लैपर्ड के फुटप्रिंट मिले हैं। इसके देखते हुए पिंजरा लगाया गया था, जिसमें कुछ मांस के टुकड़े रखे हुए थे, लेकिन लैपर्ड पिंजरे में नहीं आया। लैपर्ड मेवासा डांवरा रोड पर एक तालाब में पानी पीने के लिए आता है, लेकिन कल से उसका मूवमेंट नजर नहीं आया। संभवतः कहीं और निकल गया होगा। लैपर्ड शाम के समय शिकार पर निकलता है, इसलिए उस पर नजर रखी जा रही है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 25 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 3:50 तक, सिद्ध योग दिन 12:06 तक, कौलव करण दिन 12:35 तक, चन्द्रमा प्रातः 8:29 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

रवियोग रात्रि 3:50 से आरम्भ होगा। अगस्त्य उदय रात्रि 11:51 पर होगा। आज श्री वराह जयन्ती है। आज तेलाधर तपस्या (जैन) है। आज से मु.मास 3 रवि उल अव्वल होगा। आज से मेला रूणीचा रामदेव 9 दिन आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 7:42 तक, शुभ 9:18 से 10:53 तक, चर 2:05 से 3:40 तक, लाभ-अमृत 3:40 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:51

मेष
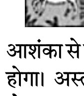
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृष
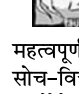
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
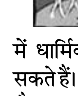
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
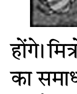
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
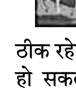
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या
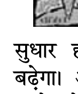
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
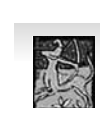
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
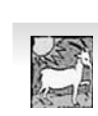
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
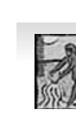
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।